नगर निगम वाराणसी।

नगर निगम व जलकल का मूल बजट वर्ष 2019–2020 के विचारार्थ नगर निगम (सदन) की बैठक दिनांक 27.02.2019 पूर्वान्ह–12.00 बजे की कार्यवाही जो मैदागिन स्थित टाउनहाल में सम्पन्न हुई की कार्यवृत्त।

उपस्थिति

श्रीमती मृदुला जायसवाल, अध्यक्ष/महापौर

2.	श्री राजेश कुमार	पार्षद	3	श्रीमती शशिकला	पार्षद
4	श्री बृजेश चन्द्र श्रीवास्तव	पार्षद	5	श्री सुनील	पार्षद
6	श्री विजय सोनकर	पार्षद	7	श्री संजय गुप्ता	पार्षद
8	श्री संदीप त्रिपाठी	पार्षद	9	श्री रविन्द्र सिंह	पार्षद
10	श्री दूधनाथ राजभर	पार्षद	11	श्रीमती सीता शर्मा	पार्षद
12	श्री दिनेश यादव	पार्षद	13	श्री अशोक मौर्या	पार्षद
14	श्री सुशील गुप्ता	पार्षद	15	श्रीमती कोशल्या देवी	पार्षद
16	श्री गोपाल	पार्षद	17	श्रीमती विजय श्री	पार्षद
18	श्रीमती रेहाना	पार्षद	19	श्री इन्द्रदेव पटवा	पार्षद
20	श्रीमती वन्दना सिंह	पार्षद	21	श्री शंकर साहू	पार्षद
22	श्री इन्द्र बहादुर	पार्षद	23	श्री राजेन्द्र	पार्षद
24	श्री कमल पटेल	पार्षद	25	श्रीमती शशि यादव	पार्षद
26	श्रीमती मीरा	पार्षद	27	श्री रियाजुद्दीन	पार्षद
28	श्री प्रशान्त सिंह	पार्षद	29	श्री विनय कुमार	पार्षद
30	श्री मोहम्मद ओकास	पार्षद	31	श्री राजेश केशरी	पार्षद
32	श्री श्रीप्रकाश	पार्षद	33	श्री संजय	पार्षद
34	श्री सुनील यादव	पार्षद	35	श्री पूर्णमासी गुप्ता	पार्षद
36	श्री अजीत सिंह	पार्षद	37	श्री सुरेश कुमार चौरसिया	पार्षद
38	श्रीमती मीनू शर्मा	पार्षद	39	श्रीमती विजेता चौधरी	पार्षद
40	श्रीमती राजकुमारी	पार्षद	41	श्रीमती अलीशा सोनी	पार्षद
42	श्री लकी वर्मा	पार्षद	43	श्री रियाजुद्दीन	पार्षद
44	श्री राजेश यादव	पार्षद	45	श्री गोपाल यादव	पार्षद
46	श्री अफजाल	पार्षद	47	श्री चन्द्रनाथ मुखर्जी	पार्षद
48	श्री हारून अंसारी	पार्षद	49	श्री मनोज यादव	पार्षद
50	श्री प्रदीप कुमार	पार्षद	51	श्री मनोज सिंह	पार्षद
52	श्रीमती मलका नूरजहाँ	पार्षद	53	श्री तुफैल	पार्षद
54	श्री रमजान अली	पार्षद	55	श्री नरसिंह दास	पार्षद
56	श्रीमती रेशमा परवीन	पार्षद	57	श्री सन्तोष शर्मा	पार्षद
58	श्री विपुल गुजराती	पार्षद	59	श्री बेलाल अहमद	पार्षद
60	श्रीमती नूरजहाँ परवीन	पार्षद	61	श्रीमती गुलराना	पार्षद
62	श्रीमती परवीन	पार्षद			

Mridula

अन्य उपस्थिति–

1. श्री अजय कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त (प्रथम)
2. श्री अनूप कुमार वाजपेयी, अपर नगर आयुक्त (द्वितीय)
3. श्री रमेश चन्द्र सिंह, अपर नगर आयुक्त (तृतीय)
4. श्री राकेश कुमार यादव, अपर नगर अयुक्त (चतुर्थ)
5. डॉ0 जी0एल0 केशरवानी, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी।
6. डॉ0 ए0के0 दूबे, नगर स्वास्थ्य अधिकारी।
7. श्री कूलभूषण वार्ष्णेय, मुख्य अभियंता।
8. श्री अनिल कुमार सिंह, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी।
9. श्री बी0के0 सिंह, महाप्रबन्धक जलकल।
10. श्री विनय कुमार राय, तहसीलदार/प्र0अ0राजस्व।
11. श्री लोकेश जैन, अधिशासी अभियंता।
12. श्री दिलीप शुक्ला, अधिशासी अभियंता।
13. श्री आशीष शुक्ला, अधिशासी अभियंता।
14. श्री अरविन्द श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता।
15. श्री सूरज सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी।
16. श्री राघवेन्द्र कुमार, सचिव, जलकल।
17. श्री महेश चन्द्र आजाद, अधिशासी अभियंता, जलकल।
18. श्री सिद्धार्थ कुमार, अधिशासी अभियंता, जलकल।
19. श्री विमल कुमार, अधिशासी अभियंता, जलकल।
20. श्री अरविन्द यादव, जोनल अधिकारी कोतवाली।
21. श्री रामेश्वर दयाल उप प्रभारी अधिकारी राजस्व।
22. श्री भरत दूबे, सहायक लेखाधिकारी।
23. श्री ललित मोहन श्रीवास्तव, आलोक अधीक्षक।

अध्यक्ष–मा0 सदस्यगण, अपर नगर आयुक्त अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण, पत्रकार बन्धु आज नगर निगम का मूल वजट 2019–20 के लिए सदन की बैठक आहूत की गयी है। इस बैठक में वजट के अतिरिक्त किसी अन्य विषय पर चर्चा नही की जायेगी, सर्वप्रथम कार्यवाही प्रारम्भ होने के पूर्व वन्देमातरम् गीत गाया जाय। तत्पश्चात् वन्देमातरम् गीत गाया गया।

बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है।

श्री राजेश यादव– अध्यक्ष महोदया नये नगर आयुक्त द्वारा चार्ज लिया गया है, वें कहॉ है और बैठक में क्यों नहीं आये स्पष्ट करा दिया जाय।

अध्यक्ष–अपर नगर आयुक्त स्पष्ट करें।

श्री अजय कुमार सिंह प्र0नगर आयुक्त– अध्यक्ष महोदया नगर आयुक्त दिल्ली में आयोजित एक बैठक में प्रतिभाग करने हेतु दिल्ली गये है। नगर आयुक्त का चार्ज मुझे दिया गया है।

अध्यक्ष–उपसभापति वर्ष 2019–2020 का मूल बजट प्रस्तुत करें।

Mridula

श्री शंकर साहू– अध्यक्ष महोदया स्मार्ट सिटी द्वारा जो कार्य कराया जा रहा है, कई जगहों पर नाला खोद कर छोड़ दिया गया है, एवं भवन स्वामियों के गली पीट को उखाड़कर छोड़ दिया गया है, जिसके कारण आवागमन बाधित हो रहा है पहले इस पर चर्चा करा लिया जाय।

श्री सीताराम केशरी–अध्यक्ष महोदया नगर निगम के सभी पार्षद पेयजल, सीवर, लाईट, सफाई की समस्या से ग्रसित है, सीवर और सफाई की व्यवस्था जलकल एवं नगर निगम द्वारा सही तरीके से नहीं करायी जा रही है, बजट पास होने के पूर्व हमारा अनुरोध है, कि शहर की मूलभूत समस्या पेयजल, सीवर एवं सफाई के बारे में स्पष्ट करा लिया जाय फिर बजट पर चर्चा करायी जाय।

श्री राजेश यादव– अध्यक्ष महोदया यह बजट की विशेष बैठक है इस बैठक में बजट के अतिरिक्त किसी अन्य विषय पर चर्चा न कराया जाय।

श्री रविन्द्र सिंह– अध्यक्ष महोदया मेरे वार्ड में दो माह से लाईट नहीं जल रही है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है, लाईट की व्यवस्था की जाय।

श्री बृजेश चन्द्र श्रीवास्तव– अध्यक्ष महोदया नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जेल परिसर का गीला कूड़ा नगर निगम की जे0सी0वी0 व डम्पर का प्रयोग करते हुए जेल परिसर के पीछे हुकुलगंज क्षेत्र में गिराया गया, सदन यह जानना चाहता है कि नगर निगम के गाड़ियो का प्रयोग किसकी अनुमति से किया गया। मेरे द्वारा इसका विरोध करने पर पुलिस द्वारा मेरा उत्पीड़न किया गया।

श्री चन्द्रनाथ मुखर्जी–अध्यक्ष महोदया आई0एल0एफ0एस0 कम्पनी द्वारा कराये जा रहे 14 वार्डो की सफाई व्यवस्था खराब है, इनके कर्मचारियों का वेतन 02 माह से नहीं मिल रहा है, इन कर्मचारियों के दो–तीन दिन तक कार्य न करने के कारण सफाई व्यवस्था खराब हो गयी है, मेरे द्वारा नगर आयुक्त से वेतन भुगतान हेतु कहा गया परन्तु अभी तक इन कर्मचारियों का वेतन भुगतान नहीं किया गया इन कर्मचारियों का वेतन भुगतान शीघ्र कराया जाय ताकि सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो। यह मा0 प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र है, मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा स्वच्छता के प्रति संवेदनशील है, वेतन भुगतान न होने के सम्बन्ध में स्पष्ट कराया जाय इसके बाद ही आगे की कार्यवाही की जाय।

श्री ओकाश– अध्यक्ष महोदया मेरे क्षेत्र में 04 माह से सीवर की सफाई नही हो रही है जिससे लोग परेशान है, इसका निस्तारण कराया जाय।

श्री अफजाल अंसारी– अध्यक्ष महोदया जनहित में सीवर, प्रकाश, पेयजल के लिए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया गया है, जिसे प्रस्तुत कराया जाय व व्यवस्था दिया जाय।

अध्यक्ष– प्रत्येक वार्डो में सीवर, पेयजल एवं सफाई की समस्या है, जिसके निस्तारण हेतु ध्यानाकर्षण प्रस्ताव है, यह ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सभी का है, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद सम्बन्धित अधिकारी द्वारा जबाब दिया जायेगा, उसके बाद वजट प्रस्तुत होगा, आवश्यक चर्चा कें बाद वजट स्वीकार कर लिया जायेगा।

श्री राजेश यादव– अध्यक्ष महोदया कार्य संचालन नियमावली की धारा 24 के तहत वजट की बैठक विशेष मानी जाती है, जिसमें किसी अन्य विषय पर चर्चा नही हो सकती है, पहले वजट प्रस्तुत कराये उसके बाद ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लिया जाय।

अध्यक्ष– श्री सीताराम केशरी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री राजेश यादव– अध्यक्ष महोदया आप विपक्ष के दबाब में कार्य कर रही है।

श्री अजीत सिंह–अध्यक्ष महोदया श्री राजेश यादव का वक्तव्य सदन को अपमानित करने वाला है, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में जनहित की समस्या की बात रखी गयी है इसमें पक्ष–विपक्ष की कहा से बात आती है, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करवाकर वजट पारित कर दिया जाय। (इसी बीच कई सदस्य एक साथ बोलने लगे जिससे कुछ सुनायी नही दिया)

श्री चन्द्रनाथ मुखर्जी – अध्यक्ष महोदया पहले ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा करायी जाय उसके बाद वजट पर चर्चा किया जाय।

श्री सुनील सोनकर– अध्यक्ष महोदया मेरे क्षेत्र में कोई अधिकारी नही जाता है और न ही समस्या को सुनता है, क्षेत्र में सीवर व सफाई की व्यवस्था से लोग परेशान है कोई सुनने वाला नही है, मेरे द्वारा बार–बार पत्रक देने के बाद भी कोई कार्यवाही नही होती है।

Mridula

अध्यक्ष– यह सदन 90 पार्षदो का है, सदन नियम एवं अधिनियम से चल रही है, 15 माह से सदन की कार्यवाही चल रही है, कही से किसी को लग रहा है कि मै किसी के दबाब में कार्य करती हूॅ। सदन को चलाने में सभी का योगदान है और सदन के सभी मा0 सदस्यो को ध्यान में रखकर सदन की कार्यवाही को चलानी पड़ती है, जिसमें आप लोगो का भी सहयोग होता है, मैं किसी के दबाब में आकर कार्य नही करती हूॅ बल्कि जनहित में जो अच्छा होता है उसपर विचार कर निर्णय लेती हूॅ। मेरे लिए 90 सदस्य बराबर है, समस्याओ को सुनकर पॉच मिनट के बाद वजट प्रस्तुत होगा तो क्या हो जायेगा। सदन मेरी ताकत है, इसे आपको समझना होगा।

श्री राजेश केशरी– अध्यक्ष महोदया सारे सदस्य आपके साथ है, आप आगे चर्चा कराये।

अध्यक्ष– श्री सीताराम केशरी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री सीताराम केशरी– अध्यक्ष महोदया आपकी अनुमति से निम्नलिखित ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूॅ।

''वाराणसी नगर निगम के अन्तर्गत शहरवासियों को मूल–भूत सुविधा नहीं मिल पा रही है, क्योंकि शहर की सफाई व्यवस्था आलोक विभाग से जुड़ी समस्या व जलकल से जुड़ी पेयजल और सीवर की समस्या दिन प्रतिदिन जटिल होती जा रही है, मैं आपका ध्यान मुख्यतः तीन बिन्दुओं पर दिलाना चाहता हूॅ।

1– विगत दो माह से प्राईवेट कम्पनी के द्वारा जिन–जिन वार्डो में सफाई हो रही थी उन वार्डो की सफाई व्यवस्था पूरी तरीके से चरमर्रा गयी है, क्योंकि प्राईवेट कम्पनी के सुपरवाईजर कहते है कि वेतन नहीं मिल रहा है इसलिए कर्मचारी ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रहें है।

2– आलोक विभाग के द्वारा फिलिप्स कम्पनी द्वारा जिन–जिन वार्डो में लाइटें लगायी गयी उसमें अधिकतर बन्द पड़ी है, उसे चालू ही नहीं कराया गया है। आलोक विभाग व सम्बन्धित कम्पनी को शिकायत करने पर हम लोगों से यह कहा गया कि स्मार्ट सिटी के द्वारा भुगतान नहीं हो रहा है इसलिए कार्य नहीं हो रहा है।

3– जलकल विभाग के द्वारा सीवर व पेयजल की समस्या के निदान करने के बजाय उक्त समस्या को और जटिल कर रहें है जैसे कि कही किसी स्थान पर सीवर ओवर फ्लों हो रहा है और नहीं खुल रहा है तो ठेकेदार के कर्मी सीधे कह रहा है कि लाईन बैठ गयी है, पेयजल पाईप लाईन हेतु मैने कई बार जलकल को लिखित अवगत कराया कि मेरे वार्ड में कई स्थानों पर पेयजल पाईप नहीं है कई स्थानों पर पेयजल की काफी समस्या है, लेकिन अधिकारियों व विभाग के द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया गया। अतएवं मा0 सदन से निवेदन है कि शहर की मूल–भूत सुविधा हेतु सदन आदेशित करें कि शहरवासियों के सुविधा हेतु त्वरित कार्यवाही की जाय।

इसका समर्थन श्री अफजाल, श्री बेलाल अहमद, श्री अजीत सिंह द्वारा किया गया।

अध्यक्ष महोदया महाप्रबन्धक जलकल के यहॉ सीवर एवं पेयजल की समस्या को लेकर जाते है तो महाप्रन्धक हम लोगो की समस्या को कम सुनते है और अपनी समस्या ज्यादा सुनाते है, जनहित की समस्या से इन्हें कोई लेना देना है। हमारा अनुरोध है कि आज सदन में ये अपनी समस्या को बताये, ये कहते है कि मुझे समस्या को बताने के लिए समय नही मिलता है, आज सदन में ये अपनी बात रखें।

अध्यक्ष– महाप्रबन्धक जलकल अपनी बात रखें।

महाप्रबन्धक जलकल– अध्यक्ष महोदया उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शासनादेश के तहत जलकल विभाग को वर्ष 2010 में वाराणसी नगर निगम में विलय किया गया, पहले यह जल संस्थान के नाम से जाना जाता था अब यह जलकल विभाग हो गया। जलमूल्य की वसूली से कर्मचारियो के वेतन, मेन्टेनेन्स, स्टेशनरी, ठेकेदारो का भुगतान किया जाता है, कई वर्षो से जलकल के वजट में बढ़ोत्तरी नही हो रही है, प्रतिवर्ष लगभग 36 करोड़ खर्च होता है। धनराशि के अभाव में वेतन एवं पेंशन के वितरण में कठिनाईया आ रही है, इस आशय का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है कि वेतन एवं पेंशन के मद में अधिक से अधिक धनराशि का आवण्टन शासन द्वारा नगर निगम के कर्मचारियो की तरह राज्य वित्त आयोग, से जलकल के कर्मचारियो को भी धनराशि मिलें जिससे वेतन एवं पेंशन वितरण में कठिनाई न हो। धनराशि के अभाव में ठेकेदार कार्य नही करते है, और भुगतान हेतु दबाब बनाते

है, इसके लिए कई लोग भुगतान के बाबत मा0 उच्च न्यायालय में वाद भी दाखिल कर चुके है। सदन से मेरा अनुरोध है कि जलकल की वित्तीय स्थिति को देखते हुए कर्मचारियो के वेतन एवं पेंशन समय से भुगतान हेतु एक प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाय।

श्री सीताराम केशरी– अध्यक्ष महोदया जनहित की समस्याओ या पार्षदो के क्षेत्र के विकास में जलकल द्वारा कहा खर्च किया जा रहा है, इसे स्पष्ट करा दें। 1000 करोड़ से शाही नाले के सफाई का कार्य कराया जा रहा है, 80 प्रतिशत नाला साफ हो गया है, उसके बाद भी सीवर की समस्या कम नही हो रही है, जलकल विभाग सीवर की समस्या का निदान क्यो नही कर पा रहा है, यदि जलकल विभाग सीवर की समस्या का निदान नही कर पा रहा है तो नगर निगम को सौप दें। नगर निगम को पूर्व की तरह यह कार्य दिया जाय, इसपर चर्चा किया जाय।

श्री रवीन्द्र सिंह– अध्यक्ष महोदया सीवर सफाई का कार्य लक्जरा कम्पनी को दिया गया था जिसके द्वारा ठीक से कार्य न किये जाने पर उसे हटा दिया गया। जलकल विभाग में संसाधन की आवश्यकता है, हमें संसाधन बढ़ाना होगा, इसपर भी विचार किया जाय।

श्री प्रशान्त कुमार सिंह– अध्यक्ष महोदया जलकल के अधिकारी संसाधन का प्रायः रोना रोते है, इन्हे संसाधन दिया जाय जिससे इन्हें परेशानी न हो।

श्री अजीत सिंह– अध्यक्ष महोदया सीवर, पानी, सफाई को लेकर लोगो में आक्रोश है, इसका समाधान किस तरह से हो इसपर चर्चा हो रही है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र एवं प्रदेश में दोनो जगहो पर है, हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी वाराणसी क्षेत्र के सांसद भी है, शहर को सुन्दर व स्वच्छ बनाने हेतु काफी प्रयास व धनराशि आवण्टित होने के बाद भी समस्यायें यथावत बनी है, जलकल विभाग अच्छे दिन को क्यो नही महसूस कर पा रहा है, क्यो बराबर धनराशि के अभाव में रोना रोता है।

श्री कमल पटेल– अध्यक्ष महोदया समस्याओ के निदान के लिए सदन में बैठे अधिकारी क्षेत्रो में नही जाते है, टेलीफोन पर समस्या को ध्यान में रखने के बावजूद निराकरण नही किया जाता है, जगह–जगह पर गलियॉ खुदी है, सीवर बह रहा है, सफाई नही हो पा रहा है, इसे कौन देखेगा यह किसकी जिम्मेदारी है।

श्री अशोक मौर्या– अध्यक्ष महोदया, सीवर की समस्या से वरूणापार का इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित है, सीवर सेक्शन मशीन सारनाथ थाना में बन्द है, इसे क्यो नही छुड़ाया जा रहा है। वरूणापार इलाके के लिए दो जेटिंग सीवर मशीन दिया जाय।

श्री सुरेश चौरसिया– अध्यक्ष महोदया महाप्रबन्धक जलकल द्वारा यह नही बताया गया कि लक्जरा कम्पनी द्वारा कितने कर्मचारियो को रखकर सीवर की सफाई करायी जा रही थी, वेतन के बारे में इनकें द्वारा रोना रोया जाता है परन्तु कितने सीवर कर्मियो का इनके द्वारा भुगतान किया जाता था इसकी लिस्ट वार्ड वार इनके द्वारा कभी नही दी गयी। महाप्रबन्धक सदन से क्या चाहते है अवगत कराये।

श्री रमजान अली– अध्यक्ष महोदया जलकल में अवर अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, व अधिशासी अभियन्ता रखे गये है, ये अधिकारी टेक्नीकल है, कम वजट में इन्हें अच्छा काम करना चाहिए, अगर ये अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रो में जाय तो अधिकांश समस्या तो इनके क्षेत्र में निकलने से हल हो जायेगी परन्तु ये अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रो में जाते नही हैं इसलिए समस्याओ का समाधान नही हो पाता है।

श्री बेलाल अहमद– अध्यक्ष महोदया नगर निगम सीमान्तर्गत मेनहोलो की सिल्ट सही तरीके से नहीं निकल पाती है, इसी कारण से सीवर फ्लों की समस्या बनी रहती है, इसकी मानिटरिंग भी नही होती है, केवल कागज पर भुगतान हो जाता है, जिसके कारण ये समस्याये बरकरार रहती है।

श्री सीताराम केशरी–अध्यक्ष महोदया लक्जरा कम्पनी आयी और फेल हो गयी परन्तु बजट तो नहीं फेल हुआ, दो सफाई कर्मचारी एक सफाई सुपरवाईजर प्रत्येक वार्ड में रखने की बात हुई थी, इसकी व्यवस्था क्यों नहीं की गयी, इसे स्पष्ट कराया जाय।

Mridula

श्री संदीप त्रिपाठी—अध्यक्ष महोदया ट्रान्स वरूणा में सीवर की समस्या सबंसे ज्यादा है, गोईठहा में बने एस0टी0पी0 का उद्घाटन मा0 प्रधानमंत्री महोदय द्वारा किया जा चुका है, इसको ध्यान में रखकर चर्चा हो, यह समस्या कम होनी चाहिए।

श्री अफजाल अंसारी— अध्यक्ष महोदया जलकल के महाप्रबन्धक का नियंत्रण ठेकेदारों पर नहीं है, ठेकेदार मनमानी करते है, जिसके कारण समस्याएं घटने के बजाय बढ़ती है, दुल्लीगढ़ही में एक माह से पानी लगा हुआ है मेरे द्वारा पानी निकालने के बारे में कहा गया परन्तु अभी तक कार्यवाही नहीं की गयी।

अध्यक्ष — महाप्रबन्धक सदन को स्पष्ट करायें कि लक्जरा कम्पनी के कार्य बन्द कर दिये जाने के बाद कैसे कार्य कराया जा रहा है, कितने कर्मचारी जलकल के पास है, अवस्थापना निधि से 12 करोड़ रूपया प्राप्त होने के बावजूद भी समस्याएं बनी है, कार्य क्षमता की कमी है या पैसे की कमी है स्पष्ट करें।

महाप्रबन्धक—अध्यक्ष महोदया जो धनराशि प्राप्त होती है, अधिकांश धनराशि वाटर सप्लाई, पाईप लाईन, सीवर लाईन, मेन्टेनेन्स में खर्च होती है, यह धनराशि सफाई मद में खर्च नहीं कर सकते है। शहर में लगभग 850 कि0मी0 सीवर लाईन है, जिसमें पुरानी ग्रांट सीवर लाईन, ओवर सीवर लाईन, की मरम्मत की कार्य एवं पुरानी सीवर लाईन के मेनहोल को चूहों द्वारा पोल कर दिया गया है, जिसे बदलना है, सिस वरूणा को तीन पार्ट में बाटा गया है, पहले यहॉ एस0टी0पी0 नहीं था, अब गोइठहॉ में एस0टी0पी0 बन गया हैं। एस0टी0पी0 का कार्य जल निगम की गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई द्वारा कराया जा रहा है, शाही नाला का कार्य भी इसी इकाई द्वारा द्वारा कराया जा रहा है। सीमित संसाधनों से सीवर मेन्टेनेंस सम्बन्धी निदान जलकल द्वारा कराया जाता है।

श्री अशोक मौर्या—अध्यक्ष महोदया वार्ड वाईज कितने सीवर कर्मचारी व सुपरवाईजर रखे गये है, अवगत कराया जाय।

महाप्रबन्धक—अध्यक्ष महोदया सीवर की सफाई रनिंग मीटर के दर से ठेकेदार द्वारा किया जाता है, पहले 15 लाख रूपये में यह कार्य किया गया है, जिसमें केवल मैन पावर था, लक्जरा कम्पनी द्वारा कार्य ठीक न करने के कारण, कार्य लेना बन्द कर दिया गया। 24 से 25 लाख रूपये प्रति माह खर्च आ रहा था, तीन सफाई कर्मचारी प्रत्येक वार्ड में मिल जाये तो कार्य अच्छा होगा।

श्री सीताराम केशरी—अध्यक्ष महोदया रनिंग मीटर के दर से भुगतान की बात कहीं जा रही है, वार्ड वार कितने कर्मचारी की आवश्यकता होगी, कितने सफाई कर्मचारी रखने से शहर की सीवर समस्या ठीक हो सकती है, प्रत्येक वार्ड में तीन सफाई कर्मचारी रखने व एक सफाई सुपरवाईजर रखने में कितना खर्च आयेगा, इसे स्पष्ट करें। लक्जरा कम्पनी को 40 लाख रूपये प्रति माह भुगतान किया जाता था, वहीं यह कार्य अब 25 लाख में कैसे होगा। कितना धन व कितने कर्मचारी चाहिए इसें स्पष्ट करायें।

अध्यक्ष—महाप्रबन्धक(जलकल) शहर की सीवर व्यवस्था के सम्बन्ध में नगर आयुक्त से मिलकर एक प्रस्ताव बनाये जिसमें यह उल्लेख किया जाय कि कितने सफाई कर्मी एवं सफाई सुपरवाईजर की आवश्यकता होगी एवं इसमें कितना धन प्रति माह व्यय होगा। एक प्रस्ताव तैयार कर नगर आयुक्त के माध्यम से शासन को भेजा जाय। पूर्व में मेरे द्वारा नगर आयुक्त को निर्देशित किया गया था कि धनराशि के अभाव में लक्जरा कम्पनी के कर्मचारियों का भुगतान नहीं हो पा रहा है, इसके सम्बन्ध में भी एक प्रस्ताव बनाया जाय और शासन को भेजा जाय। 19 करोड़ रूपया अवस्थापना निधि से प्राप्त होने के बावजूद भी शहर की समस्या बनी हुई हैं।

महाप्रबन्धक—अध्यक्ष महोदया 19 करोड़ रूपया अवस्थापना निधि से जो प्राप्त हुई है वह मिनी ट्यूबेल व वाटर सप्लाई के लिए प्राप्त हुआ है जो उसी मद में खर्च किया गया।

श्री मनोज सिंह— अध्यक्ष महोदया प्रत्येक वार्ड में तीन सफाई कर्मी रखने से कुल 270 सफाई कर्मी व दो वार्डो में एक सुपरवाइजर के हिसाब से 45 सुपरवाईजर चाहिए, अभी जो लक्जरा कम्पनी को 40 लाख रूपया दिया जा रहा था, उसमें वह 10000 रूपये प्रत्येक सफाई कर्मी व 15000 रूपये सुपरवाईजर को देते है तो भी 40 लाख रूपये से भी कम खर्च होगा, व स्थायी व्यवस्था मिलेगी, तभी समस्या का हल होगा।

Mridula

श्री सीताराम केशरी– अध्यक्ष महोदया प्रत्येक वार्ड में तीन सफाई कर्मी के हिसाब से 270 सफाई कर्मी व 45 सफाई सुपरवाईजर व मेन्टेनेंस पर कितना खर्च आयेगा इसे स्पष्ट करा दें।

महाप्रबन्धक–अध्यक्ष महोदया प्रत्येक माह औसतन जी0एस0टी0 सहित 25–26 लाख रूपये का खर्च आयेगा।

अध्यक्ष– महाप्रबन्धक प्रत्येक वार्ड में तीन सफाई कर्मी व 45 सुपरवाईजर रखने पर कुल कितना व्यय आयेगा, इसका प्रस्ताव नगर आयुक्त के साथ तैयार करें, इसके अतिरिक्त और भी कोई समस्या हो तो बैठकर चर्चा करें, रनिंग की दर पर सीवर का कार्य न करायें।

श्री सीताराम केशरी–अध्यक्ष महोदया सोडियम लाईट को हटाकर ई0ई0एस0एल0 कम्पनी द्वारा लाईट लगायी गयी, उन लाईटकों को अब फिलिप्स के द्वारा हटा कर दूसरी लाईट लगायी जा रही है, परन्तु इसका मेन्टेनेंस कोई नहीं कर हा है, अधिकांश जगहों पर अन्धेरा है।

अध्यक्ष–नगर आयुक्त स्पष्ट करें।

प्रभारी नगर आयुक्त–अध्यक्ष महोदया आलोक अधीक्षक स्पष्ट करेंगें।

श्री ललित श्रीवास्तव, आलोक अधीक्षक– अध्यक्ष महोदया शहर में लगी सोडियम व ट्यूबलाईट को हटाकर ई.ई.एस.एल. कम्पनी द्वारा एल.ई.डी. लाईट लगायी गयी है, स्मार्ट सिटी से हुए अनुबन्ध के तहत 31 वार्डो में ई.ई.एस.एल. कम्पनी द्वारा लगायी गयी लाईटों को हटाकर फिलिप्स कम्पनी द्वारा 10000 लाईटें बदली जा रही है, एल.ई.डी. लाईटों को अन्य वार्डो में लगाया जा रहा है। अनुबन्ध के अनुसार 07 वर्षो तक कम्पनी मेन्टेनेंस करेगी।

श्री सीताराम केशरी–अध्यक्ष महोदया ई.ई.एस.एल. कम्पनी अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर पा रही है तब से दूसरी कम्पनी फिलिप्स के आने के कारण समस्या आ रही है, इसका मानक व तरीका क्या है, किसकी जिम्मेदारी व जवाबदेही है, इसे कौन तय करेगा।

आलोक अधीक्षक–अध्यक्ष महोदया 90 वार्डो में पुरानी लाईटों को ई.ई.एस.एल. को एल.ई.डी. लाईट में परिवर्तित करने का काम दिया गया है, फिलिप्स कम्पनी को 31 वार्डो में 10000 लाईटों को स्मार्ट सिटी के तहत लगायी गयी है, शेष जो लाईटें बची है उसे शीघ्र लगाने का कार्य किया जा रहा है।

अध्यक्ष–पहले यह तय हुआ था कि ई.ई.एस.एल. कम्पनी द्वारा लगायी जा रही एल.ई.डी. लाईटों के लगने से उतारी गयी लाईटों को अन्य वार्डो में जहॉ अन्धेरा है वहॉ लगाया जायेगा, यह देखने में आ रहा है लगी हुई लाईटें भी नहीं जल नहीं है, इसका मेन्टेनेंस किसके द्वारा किया जायेगा।

अपर नगर आयुक्त–अध्यक्ष महोदया मेन्टेनेंस का कार्य अनुबन्ध के तहत सम्बन्धित कम्पनी को ही करना है।

श्री अजीत सिंह– अध्यक्ष महोदया एक लाईन से 20 से 25 लाईटें बन्द रहती है, आलोक विभाग के अवर अभियंता व सहायक अभियंता कया करते है, इसे स्पष्ट कराया जाय।

अपर नगर आयुक्त–अध्यक्ष महोदया श्री अजय राम, प्रभारी अधिकारी (आलोक) की माता जी का निधन हो गया है, उनके आने के बाद समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

अध्यक्ष–सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाय, सभी अवर अभियंता और सहायक अभियंता कम्पनी द्वारा लगायी गयी लाईटों की मानिटरिंग करें कि कार्य सही ढ़ंग से हो रहा है या नहीं। फिलिप्स कम्पनी का कार्य व मेन्टेनेंस दोनों ठीक नहीं है, यह कार्य जिसके द्वारा कराया जा रहा है उन्हें नोटिस दी जाय।नगर विकास मंत्री जी द्वारा भी कहा गया था कि शहर के अन्दर कहीं अन्धेरा न दिखें, परन्तु अधिकांश जगहों पर अभी भी अन्धेरा रहता है जिसकी शिकायत मा0 पार्षदों द्वारा की जाती है। संसाधन व धनराशि उपलब्ध होने के बावजूद भी कार्य नहीं हो रहा है, यह गम्भीर विषय है, जो कम्पनी कार्य कर रही है उसे अल्टीमेटम/नोटिस दिया जाय।

श्री नरसिंह दास–अध्यक्ष महोदया दिनांक–04.03.2019 को शिवरात्रि का महापर्व है, प्रमुख चौराहों व गलियों में प्राथमिकता के तहत लाईटें लगायी जाय, सोडियम की फिटिंग हटाकर ई.ई.एस.एल. कम्पनी द्वारा उसी फिटिंग पर लाईटें लगायी गयी परन्तु उसका कोई देख रेख नहीं कर रहा है। हम कम्पनी को नहीं जानते है हम आलोक विभाग को जानते है, शिवरात्रि के अवसर पर बन्द लाईटों को ठीक किया जाय।

Mridula

अध्यक्ष—एक टीम बनाकर सर्वे कराये किसकी लाईट कहॉ लगी है, कितनी जल रहीं है, कितनी बुझी है, सर्वे कर इसकी सूची उपलब्ध करायें।

श्री सीताराम केशरी— अध्यक्ष महोदया आई.एल.एफ.एस. के कर्मचारियों का भुगतान नहीं हो पा रहा है जिसके कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है, ऐसा क्यों हो रहा है, इसे स्पष्ट करा दें।

अध्यक्ष—अपर नगर आयुक्त स्पष्ट करें।

अपर नगर आयुक्त—अध्यक्ष महोदया 14 वार्डो में आई.एल.एफ.एस. कार्य करता है, इन कर्मचारियों का वेतन भुगतान सी0एस0आर0 फण्ड से किया जाता है, तीन कम्पनियॉ एन0टी0पी0सी0 2.5 करोड़, पी. एफ.सी.एल. से 3 करोड़ आर.ई.सी.एल. से 6 करोड़ मिलना है, स्थिति से अवगत कराते हुए लगातार धनराशि की मांग की जा रही है, धनराशि मिलते ही कर्मचारियों का भुगतान कर दिया जायेगा। सी0एस0आर0 फण्ड प्राप्त होने तक नगर निगम निधि से कर्मचारियों के भुगतान पर विचार चल रहा है, जसे बाद में समायोजित किया जायेगां

अध्यक्ष— 14 वार्ड अति संवेदनशील है, यहॉ की सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो इसलिए कर्मचारियों के भुगतान की व्यवस्था शीघ्र की जाय। आई.एल.एफ.एस. से बात करके उसका भुगतान करें।

श्री नरसिंह दास नगर निगम का बजट प्रस्तुत करें।

श्री बृजेश चन्द्र श्रीवास्तव—अध्यक्ष महोदया जेल परिसर का कूड़ा नगर निगम के संसाधन जे0सी0वी0 और डम्पर से जेल बाउण्ड्री के पूरब तरफ खाली परिसर में फेका गया यह किसके आदेश से किया गया इसे स्पष्ट करा दें।

अध्यक्ष—नगर स्वास्थ्य अधिकारी जेल परिसर का कूड़ा उठाने का क्या व्यवस्था है, स्पष्ट करें।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी—अध्यक्ष महोदया जेल परिसर के अधिकारियों द्वारा तीन पत्र दिया गया, उनकी मांग पर कूड़ा करसड़ा न ले जाकर खाली प्लाट में गिराया गया क्योंकि गिला कूड़ा करसड़ा जाने पर अधिकांश कूड़ा शहर के अन्दर गिरता इसी को ध्यान में रखते हुए खाली प्लाट में गिराया गया, भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

अध्यक्ष—नगर स्वास्थ्य अधिकारी भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो, बजट के जिस मद में सदस्यों को जानकारी प्राप्त करनी हो तो चर्चा कर सकते है।

श्री नरसिंह दास—अध्यक्ष महोदया नगर निगम का मूल बजट वर्ष 2019—2020 का सारांश इस प्रकार प्रकार से आय 67386.10 लाख, व्यय 67386.10 लाख है। मदवार निम्नवत् है।

राजस्व आय—

राजस्व आय	मूल बजट 2019—2020 (धनराशि लाख में)
करो से आय सम्पत्ति कर— **श्री अजीत सिंह**—अध्यक्ष महोदया सम्पत्ति कर पूर्व में 43 करोड़ रखा गया था जिसे बढ़ाकर 45 करोड़ रखा गया है, अभी तक कितनी वसूली हो चुकी है, इसे स्पष्ट करा दिया जाय। **अध्यक्ष**—प्रभारी नगर आयुक्त स्पष्ट करें। **प्रभारी नगर आयुक्त**—अध्यक्ष महोदया 43 करोड के सापेक्ष 36 करोड़ की वसूली हो चुकी है, मार्च तक 43 करोड़ की वसूली हो जायेगी।	4501.00

Mridula

श्री अजीत सिंह—अध्यक्ष महोदया इस मद में मार्च तक 43 करोड की वसूली हो जा रही है, तो सम्पत्ति कर के मदों में आय बढ़ायी जा सकती है। तमाम अनावासीय भवनों एवं छूटे हुए भवनों को आच्छादित करके इस मद की आय 60 करोड़ तक की जा सकती है, मेरा अनुरोध है कि सम्पत्तिकर का लक्ष्य 60 करोड़ रखा जाय, लक्ष्य बड़ा रखने पर ही वसूली होगी। **श्री रियाजुद्दीन**—अध्यक्ष महोदया सम्पत्ति कर का लक्ष्य बढ़ने पर जनता के उपर बोझ बढ़ेगा इसे यथावत रहने दिया जाय। **श्री रमजान अली**—अध्यक्ष महोदया जो टारगेट रखा गया है पहले उसकी वसूली की जाय पुनरीक्षित बजट में इसे बढ़ाया जा सकता है। **अध्यक्ष**—इसे यथावत स्वीकार किया जाता है।	
कर्तव्यों के आधीन आय	6013.00
नगरीय सम्पत्तियों के किराये से आय	346.00
शुल्को से आय	1224-20
बिकी एवं भाड़े से आय	53.00
विनियोगो से आय	200.00
ब्याज से आय	300.00
अन्य आय	160.00
पूँजीगत आय	
जे.एन.एन.यू.आर.एम योजना	9871.94
अनुदान : केन्द्र सरकार	8408.00
अनुदान : राज्य सरकार	20252.00
प्रारम्भिक अवशेष	15950.96

राजस्व व्यय	**मूल बजट 2019—2020**
राजस्व व्यय	
अधिष्ठान व्यय	17675.00
प्रशासनिक व्यय	2178.55
अभियन्त्रण एवं अनुरक्षण	5140.00
ब्याज एवं वित्तीय शुल्क	602.00
पूँजीगत व्यय	

Mridula

जे.एन.एन.यू.आर.एम. योजना **श्री ओकास–** अध्यक्ष महोदया जे0एन0एन0 यू0आर0एम0 योजना के अन्तर्गत कहॉ–कहॉ धनराशि खर्च की गयी इसकी जानकारी करा दी जाय, जिसका समर्थन श्री शंकर साहू द्वारा किया गया। **श्री अशोक मौर्या**–अध्यक्ष महोदया जल निगम का कोई अधिकारी उपस्थित नहीं है, जे0एन0एन0यू0आर0एम0 द्वारा कहॉ–कहॉ–कार्य कराया गया इसकी जानकारी करायी जाय। उक्त बातों का समर्थन श्री दिनेश यादव द्वारा किया गया। **अध्यक्ष**–सम्बन्धित अधिकारी स्पष्ट करें। **मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी**–अध्यक्ष महोदया जे0एन0एन0यू0आर0एम0 की योजना केन्द्र सरकार की योजना है, इस योजना के तहत ठोस अपशिष्ठ प्रबन्धन सीवरेज, स्टार्म वाटर ड्रेनेज, जलापूर्ति योजना, जलापूर्ति योजना ट्रांस वरूणा के कार्य सम्मिलित है, जिसकी कार्यदायी संस्था उ0प्र0 जल निगम है, इसी के द्वारा कार्य कराया जा रहा है, नगर निगम को नोडल एजेन्सी नामित किया गया है जो धनराशि नगर निगम को भेजी जाती है उसे कार्यदायी संस्था को हस्तानान्तरित कर दी जाती है, खर्च का डिटेल आय मद के पेज नं0 04 पर उल्लिखित है। **श्री अशोक मौर्या**–अध्यक्ष महोदया जे0एन0एन0यू0आर0एम0 की धनराशि में कार्यदायी संस्था द्वारा काफी धांधली की गयी है काम सही ढ़ंगसे नहीं किया गया है, जिसके कारण समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है, इसकी जॉच करायी जाय। **श्री सीताराम केशरी**–अध्यक्ष महोदया नगर निगम को नोडल एजेन्सी बनाया गया है तो इसकी मानिटरिंग व जवाबदेही किसकी है। जायका द्वारा भवनों का सर्वे किया जा रहा है और भवनों का वार्षिक मूल्यांकन के	9871.94

Mridula

तहत उसकी लम्बाई चौड़ाई ली जा रही है और भवन स्वामियों से वार्षिक मूल्यांकन का डर पैदा कर अनुतोष प्राप्त किया जा रहा है। इसे स्पष्ट कराया जाय। **अध्यक्ष**–अधिशासी अभियंता जायका स्पष्ट करें। **श्री लोकेश जैन, जायका प्रभारी**–अध्यक्ष महोदया जायका का एक प्रोजेक्ट आई.डी.पी. है, जिसके तहत कैरीटास नामक संस्था द्वारा कुल 18 वार्डो का सर्वे कराया गया है, सर्वे के तहत जो भवन है उनका मिलना किया जा रहा है जिसके तहत जो सम्पत्ति हमारे रिकार्ड में दर्ज नहीं है चिन्हांकन कर सम्पत्ति रजिस्टर में दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है, वार्षिक मूल्यांकन बढ़ाने की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। **श्री चन्द्र प्रकाश**–अध्यक्ष महोदया भवन सर्वे की जानकारी समबन्धित पार्षदों को भी होनी चाहिए, यह जानकारी क्यों नहीं दी गयी। **श्री बेलाल अहमद**–अध्यक्ष महोदया हमारे क्षेत्र में कम पढ़े–लिखे लोग है, भवन का सर्वे के नाम पर भयादोहन कर धन उगाही की जा रही है। **श्री अफजाल अंसारी**–अध्यक्ष महोदया प्राईवेट आदमियों द्वारा भवन सर्वे की कार्यवाही की जा रही है उनके पास कोई आई.डी. नहीं है, अगर नगर निगम द्वारा जायका के तहत कार्य करवाया जा रहा है तो सम्बन्धित कर्मचारी के पास आई0डी0 होनी चाहिए जिससे पता चल सके। **श्री संदीप त्रिपाठी**–अध्यक्ष महोदया वर्ष 2004 में अवासीय भवनों हेतु स्वकर योजना लागू की गयी थी जिसमें जन सामान्य द्वारा स्वयं अपने आवासीय गृह/भूमि का कर निर्धारण करने का अधिकार दिया गया था बाद में उत्तर प्रदेश नगर निगम सम्पत्ति कर नियमावली 2013 प्रख्यापित	

Mridula

की गयी जिसके तहत भवनों का सर्वे वार्षिक मूल्यांकन बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है जिसकी जानकारी माननीय पार्षदोंको होनी चाहिए परन्तु नहीं दी जा रही है। कर्मचारियों से पूछने पर बताया जाता है कि उपर के अधिकारियों का आदेश है। इस कार्य में जनता का दोहन भी किया जा रहा है। **श्री लोकेश जैन, अधिशासी अभियंता जायका**–अध्यक्ष महोदया जो भी कर्मचारी भवन सर्वे में लगाये गये है उन्हें आई.डी. कार्ड जारी किया गया है, भवन सर्वे की जानकारी सम्बन्धित जोनल अधिकारी को दी जाती है, जोनल अधिकारी द्वारा भवन के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाता है। सर्वे के कार्य में जोन वाईज भवन संख्या व सीरियल नम्बर डाला जायेगा जिससे लोगों को सुविधा मिलेगी। **श्री सीताराम केशरी**– अध्यक्ष महोदया सदन में भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में कामरोको प्रस्ताव लाकर चर्चा की गयी थी और शासन को पत्र प्रेषित करने का निर्णय लिया गया था, परन्तु अब तक शासन को अवगत नहीं कराया गया। **श्री नरसिंह दास**–अध्यक्ष महोदया सदन अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक है, सदन के साथी जनता का विश्वास लेकर आये है, शहर के मूलभूत समस्याओं के प्रति चिन्तित रहते है, शहर के मूलभूत समस्याओं का निदान नगर निगम को ही करना है, सदन की भावना को ध्यान में रखते हुए सदन नगर आयुक्त को आदेशित करती है कि मा0 पार्षदों द्वारा सीवर, सफाई, लाईट, जायका, स्मार्ट सिटी, जे0एन0एन0यू0आर0एम0 आदि के संबंध में जो जानकारी चाही गयी है उसे दिलाये। स्वच्छता सर्वेक्षण में हम पिछड़ गये गये है, जबकि केन्द्र और प्रदेश सरकार पूरी तरह से मदद कर रही है।	

Mridula

केन्द्र सरकार द्वारा शहर को स्मार्ट सिटी के तहत विकसित करना चाहती है उस दिशा में शहर के अधिकारी की कार्यशौली अनुकूल नहीं है। सीवर और पेयजल की समस्याओं से जनता परेशान है, केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा जो बजट दिया जा रहा है उसके बाद भी वाराणसी अपने को ठगा महसूस कर रहा है। इसकी उच्च स्तरीय जॉच कराने हेतु शासन को भेजा जाय, बजट को सर्वसम्मति से पास किया जाय। **अध्यक्ष–** बजट सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए नगर आयुक्त को आदेशित किया जाता है कि केन्द्र सरकार की योजना के तहत जायका, हृदय, स्मार्ट सिटी, अमृत, जे0एन0एन0यू0 आर0एम0 के कार्यो की जॉच के लिए शासन को पत्र प्रेषित किया जाय।	
अनुदान : केन्द्र सरकार	14942.61
अनुदान : राज्य सरकार	7000.00
स्थाई सम्पत्तियॉं	770.00
ऋण अग्रिम और जमा	2.00
ऋण, अग्रिम और जमाः अन्य सम्पत्ति	641.00
अन्तिम अवशेष :–	8563.00

राजस्व आय	मूल बजट 2019–2020 (लाख में)
सम्पत्ति कर	4500.00
यात्रीकर	**1.00**

Mridula

<u>कर्तव्यों के अधीन आय</u>	
अन्य कर : सिनेमा कर	13.00
स्टाम्प डयूटी से आय	6000.00
<u>नगरीय सम्पत्तियों के किराये से आय</u>	
दुकान किराया	120.00
प्रेक्षागृह किराया	1.00
पार्क एवं खाली मैदान	5.00
कार्यालय भवन—आवास	15.00
विज्ञापन स्थल किराया	205.00
<u>शुल्को से आय</u>	
पंजीकरण शुल्क : घोड़ा गाड़ी आदि	0.00
पंजीकरण शुल्क : कुत्ता आदि। **श्री प्रशान्त सिंह**—अध्यक्ष महोदया पालतू कुत्तों पर शुल्क कितना है, कितने कुत्तों का पंजीकरण अब तक हुआ है। **मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी**—अध्यक्ष महोदया कुत्तों के पंजीकरण पर 200 रूपये का शुल्क निर्धारित है, कितने कुत्तों का पंजीकरण हुआ है जानकारी नहीं हैं। **श्री अजीत सिंह**—अध्यक्ष महोदया कुत्तों का वार्ड वार जनगणना करा लिया जाय इस मद में आय बढ़ायी जा सकती है। **श्री प्रशान्त सिंह**—अध्यक्ष महोदया विगत कई वर्षो से दो सौ रूपये का शुल्क लिया जा रहा है, शहर के अन्दर 50 हजार से अधिक कुत्ते है, इस मद में प्रस्तावित आय के स्थान पर एक करोड़ किया जाय। **अध्यक्ष**—सदन की सहमति से प्रस्तावित आय 0.50 के स्थान पर संशोधित करते हुए एक करोड़ स्वीकार किया जाता है।	0.50
पंजीकरण शुल्क : ठेकेदार आदि	5.00
नवीनीकरण शुल्क : ठेकेदार आदि	12.00
नियमतिकरण शुल्क : दुकान आदि	1.00
लाइसेन्स शुल्क : रिक्शा, तांगा, नाव आदि	15.00
लाइसेन्स शुल्क : हाथ ठेला, ट्राली इत्यादि(सामानो हेतु)।	12.00
लाइसेन्स शुल्क : बीयर और शराब की दुकानों से	10.00
लाइसेन्स शुल्क : ज्वलनशील पदार्थ के दुकान	20.00
लाइसेन्स शुल्क : ध्वनि विस्तारक यंत्र	0.00
लाइसेन्स शुल्क : रिक्शा चालक, परिचय पत्र एवं नामान्तरण इत्यादि।	1.00

Mridula

लाइसेन्स शुल्क : पशुवध/कसाई एवं माँस व्यापारी	0.00
लाइसेन्स शुल्क : होटल, लाज, धर्मशाला इत्यादि	12.00
लाइसेन्स शुल्क : स्कूल/कालेज बस।	20.00
लाइसेन्स शुल्क : आटो रिक्शा।	**1.00**
लाइसेन्स शुल्क : नर्सिंग होम/अस्पताल।	15.00
प्रमाण पत्र शुल्कः नकल	4.00
प्रमाण पत्र शुल्कः जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र	10.00
विकास शुल्कः ध्वस्तीकरण(अतिक्रमण)	1.00
दण्ड और जुर्माना(लाइसेन्स विभाग)	4.00
दण्ड और जुर्माना(विज्ञापन विभाग)	2.00
दण्ड और जुर्माना(अतिक्रमण विभाग)	2.00
दण्ड और जुर्माना(स्वास्थ्य विभाग)	10.00
दण्ड और जुर्माना(ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता)	2.00
अन्य शुल्कः विज्ञापन शुल्क	155.00
अन्य शुल्कःअन्य शिक्षण संस्थान शुल्क(नगर निगम विद्यालय)	0.50
अन्य शुल्कः नामान्तरण शुल्क	200.00
अन्य शुल्कः सूचना के अधिकार सम्बन्धी शुल्क	1.00
अन्य शुल्कः मलवा निस्तारण	1.00
उपयोग कर्ता शुल्कः अस्पताल दवाओं/परामर्श शुल्क	0.00
उपयोग कर्ता शुल्कः पशु चिकित्सालय	0.10
उपयोग कर्ता शुल्कः कांजी हाउस	2.00
उपयोग कर्ता शुल्कः कूड़ा संग्रहण शुल्क (यूजर चार्जेज)	10.00
उपयोग कर्ता शुल्कः शवदाह गृह शुल्क	5.00
उपयोग कर्ता शुल्कः टैकर पानी(उद्यान विभाग)	0.10
उपयोग कर्ता शुल्कः पार्किंग शुल्क	185.00
उपयोग कर्ता शुल्कः वधालय चार्जेज	0.00
उपयोग कर्ता शुल्कः चौराहो का सौन्दर्यीकरण	0.00
उपयोग कर्ता शुल्कः मृत पशुओं का निस्तारण	2.00
प्रवेश शुल्कः उद्यान	0.00
सेवा/प्रशासनिक शुल्कः सड़क क्षति वसूली	500.00
अन्य शुल्क : नम्बर प्लेट एवं टोकन की बिक्री	3.00
बिकी एवं भाडे से आय	
घास/पेड़ आदि	1.00

प्रारूपों और प्रकाशनों की बिक्रीः निविदा	30.00
प्रारूपों और प्रकाशनों की बिक्रीः अन्य	10.00
निष्प्रयोज्य अप्रचलित भण्डार की बिक्री	2.00
निष्प्रयोज्य अप्रचलित संपत्ति की बिक्री	10.00
उपकरणों पर भाड़ाः रोलर्स और यन्त्र	0.00
उपकरणों पर भाड़ा अन्य और यन्त्र	0.00
विनियोगो से आय	
ब्याजः सावधि जमा	200.00
ब्याज से आय	
बैंक खातों से ब्याजः बचत खाता	300.00
अन्य आय	
प्रतिभूति/जमा जब्तीकरण	2.00
कर्मचारियों से वसूलीः मकान किराया कटौती	2.00
कर्मचारियों से वसूलीः वाहन उपयोग कटौती	2.00
कर्मचारियों से वसूलीः अन्य	2.00
अन्य आयःविविध आयः मेला एवं उत्सव चार्जेज	2.00
विविध आयः अन्य (9–2)	150.00
पूँजीगत आय	
कार्य विशेष निधियाँ	
जे.एन.एन.यू.आर.एम :	
ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन योजना	0.00
सीवरेज योजना (ट्रान्स वरूणा)	6095.70
"स्ट्राम वाटर ड्रेनेज	0.00
जलापूर्ति योजना प्रायरिटी–1 फेज–1	431.54
जलापूर्ति योजना प्रायरिटी–2(ट्रांस वरूणा)	3344.70
अनुदान : केन्द्र सरकार	
तेरहवाँ वित्त आयोग : अनुदान प्राप्ति	0.00
नगर निगम सांसद कोटा निधि	10.00
विशेष निधियाँ : अन्य अनुदान(आपदा/अतिवृष्टि)	10.00
विशेष निधियाँ : हदय योजना	500.00
चौदहवाँ वित्त आयोग : अनुदान प्राप्ति	4800.00
जायका योजना	2000.00
फूड अपग्रेडशन योजना निधि	0.00

Mridula

स्वच्छ भारत मिशन	500.00
अमृत योजना	146.00
नमामि गंगे योजना	442.00
डा.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम सौरपुंज योजना	0.00
अनुदान : राज्य सरकार	
नगर निगम अनुदान निधि	1400.00
नगर निगम पूर्वांचल/विधायक कोटा निधि	20.00
नगर निगम मलिन सुधार फण्ड	0.00
राज्य वित्त आयोग विकास निधि	1000.00
नगरीय जल निकासी योजना निधि	0.00
नगर निगम वेतन निधि(एस.एफ.सी.)	17600.00
परिवार कल्याण अनुदान	100.00
सड़क सुधार योजना निधि	0.00
गंगा घाट पुनरूद्धार निधि	0.00
कान्हा योजना	0.00
पशु शव उत्सर्जन	0.00
पशु वधशाला	0.00
कान्हा गोशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना	132.00
अन्य दायित्व : अन्य	
कर्मचारियों के लिए प्राप्त सामूहिक बीमा की धनराशि	60.00
फार्मो की बिक्री से प्राप्त(जी.एस.टी.)	5.00
प्राप्त धनराशि : सिविल कार्य(जमानत धनराशि)	30.00
प्राप्त धनराशि : विद्युत कार्य(जमानत धनराशि)	5.00
प्राप्त धनराशि : अन्य कार्य(जमानत धनराशि)	5.00
प्राप्त धनराशि : दुकान(जमानत धनराशि)	1.00
प्रारम्भिक अवशेषः–	
नगर निगम निधि बैंक	908.91
विशेष निधियाँ बैंक	14542.05
अनुदान एवं कार्यविशेष अंशदान	0.00
विनियोग	500.00
राजस्व व्यय	मूल बजट 2019–2020

Mridula

	(लाख में)
वेतन एवं भत्ते : अधिकारीगण	140.00
वेतन एवं भत्ते : कर्मचारीगण	9400.00
मजदूरी संविदा	1750.00
बोनस	200.00
वेतन एवं भत्ते : बकाया	410.00
चिकित्सा प्रतिपूर्ति(नगर निगम निधि)	30.00
कर्मचारियों हेतु वस्त्र (वर्दी)(नगर निगम निधि)	25.00
सभासदो को मानदेय(नगर निगम निधि)	20.00
पेंशन	3900.00
सेवा निवृत लाभः अवकाश नकदीकरण	500.00
सेवा निवृत लाभः अवकाश उपादान	1300.00
प्रशासनिक व्यय(नगर निगम निधि)	
किराया एवं कर	0.00
कार्यालय अनुरक्षणः बिजली बिल	60.00
कार्यालय अनुरक्षणः जलपान	5.00
कार्यालय अनुरक्षणः सुरक्षा व्यय	40.00
संचार व्ययः टेलीफोन	3.00
संचार व्ययः मोबाइल	20.00
संचार व्ययः इन्टरनेट/लीज लाइन	5.00
पत्रिकायें	1.00
समाचार पत्र	0.50
प्रेस छपाई(फार्म विभाग)	12.00
छपाई सामग्री/स्टेशनरी (नाजिरात विभाग)	50.00
यात्रा व्यय	15.00
यात्रा व्यय : वाहनों का किराया	150.00
बीमा (गाड़ियों का)	50.00
सम्परीक्षा शुल्क(प्रशासनिक)	0.00
विधि व्यय	2.00
विधि अधिवक्ता शुल्क	15.00
मुकदमा समझौता खर्च	2.00
अभियन्त्रण/तकनीकी सलाहकार शुल्क	2.00
सलाहकार शुल्क	1.00

अतिथि सत्कार(अधिवेशन)	30.00
विज्ञापन प्रकाशन	35.00
कार्यक्रम आयोजन	0.00
आउटसोर्सिगं : विशेषज्ञ, तकनीकी एवं शिक्षक	5.00
आउटसोर्सिगं : मजदूर एवं अन्य	1600.00
महापौर / पार्षद / अधिकारी भ्रमण / भत्ता	30.00
कार्यकारिणी समिति / सदन व्यय	15.00
अन्य आकस्मिक व्यय(प्रधान कार्यालय)	30.00
महापौर स्वविवेकाधीन फण्ड	0.05
अभियन्त्रण एवं अनुरक्षण(नगर निगम निधि)	
डीजल एवं पेट्रोल व्यय	1000.00
भण्डार का उपभोगः विविध सामग्री (अभियन्त्रण विभाग)	50.00
भण्डार का उपभोगः विद्युत सामग्री	50.00
भण्डार का उपभोगः स्वास्थ्यसामग्री(झाडू,दवा,टोकरी एवं चूना)	100.00
भण्डार का उपभोगः उद्यान विभाग	5.00
भण्डार का उपभोगः परिवहन विभाग	300.00
भण्डार का उपभोगः नाजिरात विभाग	25.00
भण्डार का उपभोगः कम्प्यूटर विभाग	10.00
भण्डार का उपभोगः लाइसेंस विभाग	10.00
सड़क अनुरक्षण	800.00
25 प्रतिशत नगरीय निर्धन सुविधा(सड़क अनुरक्षण)	200.00
मार्ग प्रकाश अनुरक्षण(स्टोर से)	8.00
25 प्रतिशत नगरीय निर्धन सुविधा(स्टोर से)	2.00
मार्ग प्रकाश अनुरक्षण(बाजार से)	40.00
25 प्रतिशत नगरीय निर्धन सुविधा(बाजार से)	10.00
नाला नाली अनुरक्षण / निर्माण	300.00
यातायात संकेत अनुरक्षण	50.00
सड़क मरम्मत (सड़क क्षति के सापेक्ष)	500.00
अन्य आकस्मिक व्यय (अभियन्त्रण)	50.00
फूटपाथ का रख–रखाव	50.00
गलियों का रख–रखाव	300.00
कुओं का रखरखाव	40.00

Mridula

उद्यानो का रखरखाव	50.00
कुण्ड/तालाबों का रखरखाव	20.00
पार्किंग स्थलों का रखरखाव	10.00
अस्पतालों का रखरखाव(दवा आदि)	5.00
पौधशालाओं का रखरखाव	5.00
सार्वजनिक शौचालाओं का रखरखाव	20.00
शिक्षण संस्थानों एवं छात्रावासों का रखरखाव	20.00
आधुनिक वधशालाओ व अन्य	0.00
"शवदाहगृह का रख–रखाव	10.00
मूर्तियों का रखरखाव	5.00
गौशाला रखरखाव/अंशदान	30.00
गंगा घाटो की मरम्मत	50.00
गंगा घाटो की सफाई कार्य	10.00
प्याऊ का रखरखाव	2.00
जलावनी लकड़ी का रखरखाव	0.00
कार्यालय भवनों का रखरखाव	50.00
अन्य भवनों का रखरखाव	20.00
अन्य अनुरक्षण/आपूर्ति	5.00
वाहनों की वाह्य मरम्मत	200.00
सफाई उपकरण	20.00
फर्नीचर एवं फिटिंग का रखरखाव	50.00
बिजली उपकरणों का रखरखाव	20.00
कार्यालय उपकरणों का कयः नेटवर्क उपकरण/आई.पी. उपकरण/सी.सी. कैमरा उपकरण सम्बन्धित।	20.00
अन्य सम्पत्तियों का रखरखाव	20.00
यांत्रिकीय उपकरण का रखरखाव	8.00
जनरेटर का रखरखाव	5.00
कम्प्यूटर का रखरखाव	20.00
ए0सी0 का रखरखाव	5.00
फोटोस्टेट मशीन का रखरखाव	5.00
सीवरेज अनुरक्षण	30.00
अन्य अनुरक्षण/व्यय	350.00
वर्षा जलनिकासी व्यय	25.00

Mridula

जलकल विभागः ऋण/अग्रिम आदि	150.00
ब्याज एवं वित्तीय शुल्क	
बैंक चार्जेज	2.00
मेला उत्सव चार्जेज(बैरिकेडिग, टेण्ट, शामियाना आदि)	200.00
करों का समायोजन	400.00

पूँजीगत व्यय	**मूल बजट 2019–2020 (लाख में)**
कार्य विशेष निधियाँ	
जे.एन.एन.यू.आर.एम : कार्यदायी संस्थाओं को	
उ0प्र0जल निगम, वाराणसी ठोस अपशिष्ठ प्रबन्धन योजना	0.00
उ0प्र0जल निगम वाराणसी सीवरेज योजना(ट्रान्स वरूणा)	6095.70
"स्ट्राम वाटर ड्रेनेज	0.00
उ0प्र0जल निगम वाराणसी जलापूर्ति योजना–1 फेज–1	431.54
उ0प्र0जल निगम वाराणसी जलापूर्ति योजना–2(ट्रांस वरूणा)	3344.70
अनुदान : केन्द्र सरकार	
तेरहवाँ वित्त आयोग : अनुदान	1302.65
नगर निगम सांसद कोटा निधि	10.00
विशेष निधियाँ : अन्य अनुदान(आपदा/अतिवृष्टि)	10.00
विशेष निधियाँ : हदय योजना	438.51
चौदहवाँ वित्त आयोग : अनुदान	8863.45
जायका योजना	2000.00
फूड अपग्रेडशन योजना निधि	25.00
स्वच्छ भारत मिशन	1292.00
अमृत योजना	146.00
नमामि गंगे योजना	500.00
डा.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम सौरपुंज योजना	355.00
अनुदान : राज्य सरकार	
नगर निगम अनुदान निधि	1400.00

Mridula

नगर निगम पूर्वांचल/विधायक कोटा निधि	20.00
नगर निगम मलिन सुधार फण्ड	200.00
राज्य वित्त आयोग विकास निधि	1000.00
परिवार कल्याण अनुदान	100.00
सड़क सुधार योजना निधि	164.00
गंगा घाट पुनरूद्धार निधि	30.00
नगरीय अवस्थापना विकास निधि	3000.00
कान्हा योजना	100.00
पशु शव उत्सर्जन	200.00
पशु वधशाला	654.00
कान्हा गोशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना	132.00
स्थाई सम्पत्तियाँ	
कार्यालय भवन	50.00
सार्वजनिक शौचालयों और मूत्रालयों का निर्माण	15.00
ठोस सड़कों का निर्माण	300.00
25 प्रतिशत नगरीय निर्धन सुविधा(ठोस सड़को का निर्माण)	75.00
फुटपाथ का निर्माण	30.00
सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था खम्भे एवं तार	40.00
25 प्रतिशत नगरीय निर्धन सुविधा	10.00
सयन्त्र और मशीनरीः फॉगिंग मशीन कय	10.00
सयन्त्र और मशीनरीः सीवर जैटिंग मशीन कय	10.00
सयन्त्र और मशीनरीः कंप्रेसर,पम्प,मोटर आदि कय	10.00
सयन्त्र और मशीनरीः अस्पताल प्रयोगार्थ	20.00
वाहनः बस, ट्रक, लोड़र क्रय आदि	30.00
वाहनः कार/जीप	50.00
वाहनः हाथ कूड़ा गाड़ी	20.00
कार्यालय उपकरणों का कयः एअर कंडीशनर आदि	7.00
कार्यालय उपकरणों का कयः कम्प्यूटर्स/लैपटॉप	40.00
कार्यालय उपकरणों का कयः फोटोकॉपी मशीन	5.00
कार्यालय उपकरणों का कयः नेटवर्क उपकरण/आई. पी.उपकरण/सी.सी. कैमरा उपकरण सम्बन्धित।	30.00
फर्नीचर, फिक्चर,फिटिंग : अलमारी, टेबल, कुर्सियाँ	10.00

Mridula

आदि	
फर्नीचर, फिक्चर,फिटिंग : बिजली के उपकरण	5.00
फर्नीचर, फिक्चर,फिटिंग : अन्य	3.00
ऋण, अग्रिम और जमा	
विनियोग पर देय ब्याज से आयकर कटौती	2.00
ऋण, अग्रिम और जमा : अन्य सम्पत्ति	
प्रतिभूति जमा एवं रोकी गई धनराशियों की वापसी	40.00
जमा धनराशि : सिविल कार्य(जमानत धनराशि)	30.00
जमा धनराशि : विद्युत कार्य(जमानत धनराशि)	3.00
जमा धनराशि : अन्य कार्य(जमानत धनराशि)	2.00
जमा धनराशि : दुकान(जमानत धनराशि)	1.00
ठेकेदारों एवं आपूर्तिकर्ताओं की देयताओं का भुगतान	500.00
फार्मो की बिक्री पर(जी.एस.टी.)	5.00
कर्मचारी के सामूहिक बीमा का भुगतान	60.00
अन्तिम अवशेष :-	
नगर निगम निधि बैंक	773.19
विशेष निधियाँ बैंक	7289.81
अनुदान एवं कार्यविशेष अंशदान	0.00
विनियोग	500.00

अध्यक्ष– नगर निगम का मूल बजट 2019–2020 यथासंशोधित सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाता है एवं नगर आयुक्त को आदेशित किया जाता है कि स्मार्ट सिटी, जायका, अमृत, जे0एन0एन0 यू0आर0एम0, ह्दय के कार्यो जॉच के लिए शासन को पत्र प्रेषित करें।

श्री नरसिंह दास जलकल विभाग का बजट प्रस्तुत करें।

श्री नरसिंह दास–अध्यक्ष महोदया जलकल , नगर निगम मूल बजट का आय 11377.00 लाख व्यय 11377.00 व अवशेष 08.00 है। मदवार सारांश निम्नवत् है।

जलकल विभाग

आय

राजस्व आय	मूल बजट 2019–2020 (धनराशि लाख में)
जलकर	4943-00
अतिरिक्त जलमूल्य/न्यूनतम प्रभार	746-00
सीवर कर एवं न्यूनतम प्रभार	1418-00
अन्य प्राप्तियॉ	100-00
अधिभार	0-00
नियमितीकरण2जल संयोजन शुल्क	20-00
विकास शुल्क	80-00
असंचालन आय	
डिपाजिट काय्र (सांसद/विधायक निधि)	70-00
अनुदान (13/14वॉ वित्त आयोग/अवस्थापना)	2000-00
अनुदान (कर्मचारियों के लम्बित भुगतान)	1800-00
अनुदान से प्राप्ति (नगर निगम से)	200-00

व्यय–

संचालन व्यय	मूल बजट 2019–2020 (धनराशि लाख में)
अधिष्ठान व्यय	3857-00
विद्युत एवं उर्जा	4830-00
पूर्तियॉ	215-00
अन्य व्यय	51-00
रख–रखाव व्यय	161-00
जनरल टैक्स (गृह कर)	150-00
बकाया वेतन, पेंशन, उपादान इत्यादि	0-00
_जल मापक यंत्रों का कय	0.00

मशीनों तािा यंत्रों का कय	5-00
फर्नीचर तथा कम्प्यूटर कय	5-00
वाहन, टैक्टर, टैंकर कय	5-00
भवन निर्माण एवं भूमि	0-00
आकस्मिक पूँजीगत व्यय (14वॉ वित्त आयोग)	2000-00
नई लनिकायें बिछाना (जल/सीवर)	10-00
ट्यूबवेल, पम्प हाउस	5-00
नयें पम्पिंग/मोटर पम्प सेट का कय	5-00
ऋण एवं ब्याज का भुगतान	0-00
डिपाजिट कार्य का भुगतान	70-00
अवशेष	08-00

श्री नरसिंह दास–अध्यक्ष महोदया सदन की अनुमति हो तो इसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाय।
श्री अजीत सिंह–अध्यक्ष महोदया जलकल का बजट सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाय।
अध्यक्ष–नगर निगम व जलकल विभाग का बजट वर्ष 2019–2020 यथासंशोधित सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाता है, नगर आयुक्त को आदेशित किया जाता है कि वजट को आवश्यकतानुसार संतुलित कर लें।

संकल्प संख्या– 59

नगर निगम एवं जलकल का मूल आय व्यय वर्ष 2019–2020 यथासंशोधित सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

अध्यक्ष–श्री श्याम आसरे मौर्या शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
श्री श्याम आसरे मौर्य– अध्यक्ष महोदया आपकी अनुमति से निम्नलिखित शोक प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूँ।

''जम्मू काश्मीर के पुलवामा जिले में पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैस–ए–मोहम्मद द्वारा किए गए आत्मघाती हमलें में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गएं यह हमारे देश की अनूर्णीय क्षति है।

जाने माने और बहुचर्चित ज्योतिषाचार्य डॉ लक्ष्मण दास का लखनऊ के संजय गॉधी पीजीआई अस्पताल में निधन हो गया। यहॉ विगत एक माह से इनका इलाज चल रहा था।
3– हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार और आलोचक नामवर सिंह का निधन दिल्ली एम्स में मंगलवार रात तकरीबन 11.50 बजे हो गया। नामवर सिंह 93 साल के थे। डॉ0 नामवर सिंह का जन्म जुलाई 1926 में यू0पी0 के चन्दौली जिले के जीयनपुर गांव में हुआ था। नामवर सिंह हिन्दी साहित्य के बड़े रचनाकार हजारी प्रसाद द्विवेदी के शिष्य थे। उनकी गिनती हिन्दी साहित्य जगत के बड़े समालोचकों में थी। पूरा सदन इन सभी लोगों के निधन से मर्माहत है हम सभी लोग उनकी आत्मा की शान्ति एवं शोक संतप्त परिवार को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना करता है। उक्त केलिए दो मिनट का मौन रखकर सदन को स्थगित किया जाए।

जिसका समर्थन श्री राजेश यादव द्वारा किया जाय।

अध्यक्ष– श्री सीताराम केशरी शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री सीताराम केशरी– अध्यक्ष महोदया आपकी अनुमति से निम्नलिखित शोका प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूँ।

''जम्मू काश्मीर के पुलवामा जिले में पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैस–ए–मोहम्मद द्वारा किए गए आत्मघाती हमलें में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गएं यह हमारे देश की अनूर्णीय क्षति है।

श्री अमरनाथ मिश्रा जी नगर निगम वाराणसी में कर निरीक्षक द्वितीय के पद से सेवा निवृत्त हुए है। इनका वर्तमान निवास सुदामापुर वाराणसी रहा है। अपने सेवाकाल के दौरान में स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ उ0प्र0 के अध्यक्ष रहें। ये मृदुभाषी व मिलनसार व्यवहार के रहें। किसी भी कर्मचारी को कोई समस्या है इसका पता चलते ही ये स्वयं उसकी मदद के लिए पहुच जाते थे। दिनांक 26.02.2019 को रात्रिकाल में ह्दयघाट होने के कारण आकस्मिक इनकी मृत्यु हो गयी। इससे पूरा सदन मर्माहत है। मेरा अनुरोध है कि इनकी आत्मा की शान्ति के लिए 02 मिनट का शोक श्रद्धांजलि पूरे सदन की ओर से दी जाय।

जिसका समर्थन सर्वश्री अजीत सिंह, प्रशान्त सिंह, नरसिंह दास, चन्द्रनाथ मुखर्जी द्वारा किया गया।

अध्यक्ष–श्री हारून अंसारी शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री हारून अंसारी– अध्यक्ष महोदया आपकी अनुमति से निम्नलिखित शोका प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूँ।

स्व0 राजनाथ यादव जी पूर्व विधायक सैदपुर पूर्व जिला अध्यक्ष वाराणसी समाजवादी पार्टी का निधन दिनांक 23.11.2018 को हो गया है इनकी आयु लगभग 70 वर्ष थी अपने जीवनकाल में सर्वसमाज को लेकर नवजवान किसान बुनकर व्यापारी के हित में सड़क से विधान सभा सदन तक आवाज उठाया करते थे। पूर्व विधायक के निधन पर हम पार्षदगण सदन में 02 मिनट मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित करें।

अध्यक्ष–पुलवामा में शहीद हुए जवान, पूर्व विधानसभा सदस्य श्री राजनाथ यादव, साहित्यकार नामवर सिंह, अमरनाथ मिश्रा के निधन का शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, सदन इनके निधन पर गहरी संवेदना प्रकट करती है दो मिनट का मौन श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

तत्पश्चात् दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

अध्यक्ष– सधन्यवाद बैठक की कार्यवाही समाप्त की जाती है।

Mridula

(मृदुला जायसवाल)
सभापति / महापौर